Roll No. .....

E–3435

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper Fourth

(आधुनिक गद्य साहित्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर करुणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जायेगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों ? अनागत भविष्य के लिए भय क्यों ?

(ख) विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था, जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी मानो झटका देकर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा।

(ग) कविता ही मनुष्य के हृदय को, स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भाव-भूमि पर ले जाती है। जहाँ, जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है।

(घ) चन्द्रमा का कलंक मानव का कलंक है। उसकी क्षीणता भी मानव मन की क्षीणता है। चन्द्रमा का पथ पृथ्वी की परिक्रमा के साथ-साथ मनुष्य की ऊँची उड़ान की लकीर है। कारण के गुणों से कार्य के गुण होते हैं। यह न्याय शास्त्र के लिए चाहे सच हो, पर मैंने तो देखा है कि चन्द्रमा कार्य होते हुए भी अपने कारण मन में अपने-अपने गुणों का प्रतिक्षेप करता रहता है।

(ङ) लड़ाई के समय चांद निकल आया था। ऐसा चांद जिसके प्रकाश से संस्कृत कवियों का दिया हुआ क्षयी नाम सार्थक होता है और हवा ऐसी चल रही थी जैसी वाणभट्ट की भाषा में 'दन्तवीणोपदेशाचार्य' कहलाती है। बजीरा सिंह कह रहा था कि कैसे मन-मन भर फ्रांस की भूमि मेरे बूटों से चिपक रही थी, जब मैं दौड़ा-दौड़ा सूबेदार के पीछे गया था।

(च) गजाधर बाबू उस कमरे में पड़े-पड़े कभी-कभी अनायास ही इस अस्थायित्व को अनुभव करने लगते हैं। उन्हें याद हो आती है, उन रेलगाड़ियों की जो आतीं और थोड़ी देर रुककर किसी और लक्ष्य की ओर चली जातीं।

2. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की समीक्षा करते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'हानूश' के प्रतिपाद्य पर टिप्पणी कीजिए।

3. 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

'कविता क्या है ?' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के लघु उत्तर दीजिए : प्रत्येक 4

(i) डॉ. रामकुमार वर्मा के नाट्य-साहित्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ii) भीष्म साहनी की उपन्यास कला।

(iii) यशपाल की औपन्यासिक कृतियाँ।

(iv) प्रताप नारायण मिश्र का निबन्ध-साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(v) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के निबन्धों की विशेषताएँ बताइये।

(vi) फणीश्वरनाथ रेणु की कथा-भाषा।

(vii) अमरकांत का जीवन परिचय।

(viii) 'शिवप्रसाद सिंह' की महत्त्वपूर्ण कहानियाँ।

(ix) अमृतलाल नागर के उपन्यासों में जनजीवन।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) मल्लिका किस रचना की पात्र है ?

(ii) 'दीपदान' से क्या अभिप्राय है ?

(iii) 'तमस' उपन्यास के लेखक का नाम बताइये।

(iv) लहनासिंह ने क्या किया था ?

(v) ललित निबन्ध किसे कहते हैं ?

(vi) प्रेमचन्द किस प्रकार के लेखक थे ?

(vii) 1936 में प्रेमचन्द किस संगठन के सभापति चुने गए थे ?

(viii) कार्नेलिया किसकी पुत्री थी ?

(ix) 'पुरस्कार' कहानी में नायिका क्या पुरस्कार माँगती है ?

(x) निबन्ध के किन्हीं दो प्रकारों के नाम लिखिए।

(xi) कहानी के कितने तत्व होते हैं ?

(xii) गोबर किस उपन्यास का पात्र है ?

(xiii) हिन्दी के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।

(xiv) 'चिंतामणि' के लेखक का नाम बताइये।

(xv) कालीदास कहाँ के राजा बने थे ?

(xvi) विद्यानिवास मिश्र की भाषा किस प्रकार की है ?

(xvii) 'गोदान' की नायिका का नाम लिखिए।

(xviii) 'वापसी' कहानी में किसकी वापसी होती है ?

(xix) "अरुण मधुमय देश हमारा जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता ....." यह गीत किस नाटक का है ?

(xx) भट्टिनी का मूल नाम क्या है ?

(xxi) उपन्यास के कितने तत्व होते हैं ?

(xxii) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में देशभक्त नारी पात्र का क्या नाम है ?

(xxiii) प्रेमचन्द के प्रथम उपन्यास का क्या नाम है ?